ये अव्यक्त इशारे

सफलतामूर्त बनो

5-11-2024

सेवा की सफलता का साधन निर्मानता है। निर्मान बन झुकना, यह कोई छोटा बनना नहीं है लेकिन सफलता के फल सम्पन्न बनना है। बुद्धि जो भी निर्णय करे वह श्रीमत के अनुकूल हो, श्रीमत के सिवाए और कोई बात बुद्धि में न आये। बुद्धि में सदा बाबा की स्मृति हो तो आटोमेटिकली जजमेन्ट सत्य और सफलता वाली होगी।

Become an embodiment of success

Humility is the means of success in service. To bow down with humility is not to make yourself small, but to become full with the fruit of success. Whatever your intellect decides, let it be according to shrimat. Do not let anything apart from shrimat enter your intellect. Let there always be the awareness of Baba in your intellect and the judgement you make will automatically be true and full of success.

